केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौडी गढवाल, उत्तराखण्ड -249301
वार्षिक प्रतिवेदन (2021-22)

छात्र-विवरण

3.1 सत्र 2021-22 के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग में नियमितरूप से पंजीकृत छात्रों की कक्षानुसार संख्या -

क्र.सं.	कक्षा	कुल	पुरुष	महिला	अनु.जाति	अनु.ज.जा.	अ.पि.व.	सामान्य	मुस्लिम	पी. एच.
1)	प्राक्शास्त्री- प्रथम	04	02	02	.	.	02	02	.	.
2)	प्राक्शास्त्री- द्वितीय	08	07	01	.	.	01	07	.	.
3)	शास्त्री प्रथम वर्ष	47	44	03	01	.	06	40	.	.
4)	शास्त्री द्वितीय वर्ष	26	22	04	.	01	06	19	.	.
5)	शास्त्री तृतीयवर्ष	23	21	02	.	.	01	22	.	.
6)	आचार्य प्रथमवर्ष	24	18	06	.	.	03	21	.	.
7)	आचार्य द्वितीयवर्ष	06	06	.	.	.	01	05	01	.
8)	विद्यावारिधि	06	06	.	..	01	.	05	.	.
9)	**कुल योग**	**144**	**126**	**18**	**01**	**02**	**20**	**121**	**01**	**.**

3.2 सत्र 2021-22 के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग में आन्तरिक छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण -

क्र.सं.	कक्षा	कुल	पुरुष	महिला	अनु. जाति	अनु.ज.जा.	अ.पि.व.	सामान्य
1.	प्राक्शास्त्रीप्रथमवर्ष	03	02	01	------	-------	01	02
2.	प्राक्शास्त्री-द्वितीयवर्ष	07	06	01	-----	------	01	06
3.	शास्त्री प्रथमवर्ष	35	32	03	-----	-------	08	27
4.	शास्त्री द्वितीयवर्ष	24	21	03	01	------	06	17
5.	शास्त्री तृतीयवर्ष	18	16	02	-----	------	01	17
6.	आचार्य प्रथमवर्ष	10	09	01	-----	-----	01	09
7.	आचार्य द्वितीयवर्ष	02	02	-----	----	-----	----	------

8.	विद्यावारिधि	06	03	------	------	01	------	-----
	कुल योग	**105**	**91**	**11**	**01**	**01**	**18**	**78**

3.4 परीक्षापरिणाम (2020-21)

क्र.सं.	कक्षा	छात्रसंख्या	परीक्षा	उत्तीर्ण	प्रतिशत
1.	प्रा.शा.	05	05	05	100
2.	शास्त्री	64	64	64	100
3.	आचार्य	12	12	12	100

4.2 परिसरीय गतिविधियां

1.परिसर परिचयः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्री रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16-06-2016 को अधिगृहीत किया गया। इस परिसर का नामकरण दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाडों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गङ्गा का उद्गम-स्थान भी है। दिनांक 16.06.2016 को इस परिसर का उद्घाटन किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। दिनांक 06.05.2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डा. के.के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। दिनांक 08.11.17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारत सरकार के मानव संसाधनविकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (आडिटोरियम), खेल-मैदान (स्टेडियम) आदि के निर्माण-कार्य उत्तराखण्ड के राज्यपाल के हाथ से शिलान्यास के पश्चात् मई 2017 से प्रारम्भ हो रहा है, जो कार्य अब लगभग समाप्ति की ओर अगसर है। नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2020-21 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लगभग 170 छात्रों को प्राक-शास्त्री (इंटर मीडिएट), शास्त्री (स्नातक), आचार्य (स्नातकोत्तर), विद्यावारिधि (पीएच.डी.) की कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान की जा रही है जिन्हें

उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ - साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

2.परिसर की स्थितिः जहाँ तक परिसर की भौगोलिक, ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक स्थिति का प्रश्न है, उत्तराखण्ड देवभूमि के नाम से प्रसिद्धि-प्राप्त है। इस देवभूमि देवप्रयाग में न केवल प्रसिद्ध ज्योतिर्मठों में अन्यतम श्रीबद्रिकाश्रम-धाम अवस्थित है अपितु द्वादश-ज्योतिर्लिंगों में प्रधान श्रीकेदारनाथ जी भी यहाँ विराजमान है। साथ ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्रोतस्विनी श्रीगंगा एवं श्री यमुना का उद्गम-स्थान भी यही पावन प्रदेश है। देवतात्मा हिमालय आज भी यहाँ पृथ्वी के मानदण्ड की गौरवमयी गाथा को अपनी अमित-प्रभा से भासित कर रहा है। पौराणिक मान्यता (स्कन्दपुराण, केदारखण्ड) के अनुसार देवशर्मा नामक तपस्वी के नाम से इस स्थान को देवप्रयाग नाम से जाना जाता है जिन्होंने कभी यहाँ घोर तपस्या की थी। उत्तराखण्ड के पाँच प्रयागों में देवप्रयाग प्रथम प्रयाग है जिसके बाद रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग एवं विष्णुप्रयाग का क्रम आता है। देवप्रयाग का नगरीय-भूभाग तीन पर्वत-मालाओं से परिवेष्टित है। भगवान् श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर वाला भूप्रदेश गृद्धाचल-श्रेणी में आता है, दूसरा भागीरथी का दक्षिण-तटीय भाग दशरथाचल शृंखला में है, तथा तीसरा अलकनन्दा-तटीय भाग नृसिंहाचल नाम से जाना जाता है। यहाँ की मान्यता के अनुसार, प्राचीन समय से ही देवप्रयाग का नृसिंहाचल विद्या-क्षेत्र के नाम से अभिहित है। उल्लेख्य है कि यह प्रथम प्रदेश है जहाँ संस्कृत को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाया गया है। श्रीरघुनाथ के मन्दिर के नाम पर अवस्थित श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर उत्तराखण्ड की पुण्य देवभूमि पर पौडी जनपद के अन्तर्गत देवप्रयाग के पावन संगम पर स्थित है। यह परिसर हरिद्वार से ऋषिकेश होते हुए बद्रीनाथ मार्ग पर ऋषिकेश से लगभग 75 किमी दूर नृसिंहाचल पर्वत स्थित है।

परिसर के सदस्य शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक- परिसर के निदेशक प्रो.एम.चन्द्रशेखर जी के निदेशन में इस परिसर में 5 स्थायी प्राध्यापक जिसमें आचार्य01 सहआचार्य 01 तथा सहायकआचार्य 03 कार्यरत हैं। संविदा में 02 तथा अतिथिरूप में 11 प्राध्यापक विद्यमान है। गैर शैक्षणिक में 04 स्थायी तथा 07 अस्थायी कर्मचारी हैं।

3. मुख्यगतिविधियां-

- **राष्ट्रिय योगदिवस-** परिसर में योगदिवस 21-06-2021 को मनाया गया।
- **संस्कृत-सप्ताहोत्सव-** श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर 03.08.21 से 09.08.2021 तक अन्तर्जाल के माध्यम से संस्कृत-सप्ताहोत्सव मनाया गया।
- **हिन्दी-पखवाडा** - 14-09-2021 से 28-09-2021 तक हिन्दी पखवाडा मनाया गया।
- **स्वतन्त्रता दिवस-** 15 अगस्त 2021 को मनाया गया। जिसमें परिसर-प्राचार्यद्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
- **राष्ट्रिय एकतासप्ताह** - सरदार बल्लभभाई पटेलजन्मदिवस के उपलक्ष्य में 31-10-2021 से 06-11-2021 तक राष्ट्रिय-एकता- सप्ताह मनाया गया।

- **स्वच्छतादिवस**- गान्धी जयन्ती के अवसर पर 2-10-2021 को परिसर में स्वच्छतादिवस मनाया गया।
- **सतर्कतादिवसोत्सव**- 25-11-2021 को परिसर में सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day) मनाया गया।
- **वसन्तपंचमी**- 29-01-2022 को परिसर में बसन्त-पंचमी के अवसर पर सरस्वती-पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- **गणतन्त्रदिवस**- 26-01-2022 को परिसर में गणतन्त्रदिवस मनाया गया, जिसमें परिसरप्राचार्यद्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
- **परिसर में नवनिदेशक का कार्यभारग्रहण**- प्रो.विजयपालशास्त्री साहित्यविभागाध्यक्ष ने प्रो. बनमालीबिश्वाल के स्थान पर 28 सितम्बर 2021 को नवनिदेशक का पदभार ग्रहण किया।
- **परिसरीय प्राध्यापकों का स्थानान्तरण**- प्रो.बनमालीबिश्वाल का स्थानान्तरण दिल्ली मुख्यालय में, डा. मनीषशर्मा व्याकरण प्राध्यापक का सदाशिवपरिसर पुरी, डा. कृपाशंकर शर्मा का भोपालपरिसर में स्थानान्तरण हुआ।
- **नूतन प्राध्यापकों का आगमन**- परिसर में वेद विभाग में डा.अमन्दमिश्र, व्याकरण में डा. मौनिका आर्या, डा.मनीषा आर्या, साहित्य में मनु आर्या, अद्वैतवेदान्त में डा.रघु बी राज, ज्योतिष में आशुतोष तिवारी नये अतिथि प्राध्यापकों का परिसर में आगमन हुआ।
- **राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा**- उत्तराखण्ड के संस्कत विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों की राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डा.अनिलकुमार थे।
- **75 करोड सूर्यनमस्कार कार्यक्रम**- डा.गौतम चौधरी के संयोजकत्व में 27 जनवरी 2022 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्रों और प्राध्यापकों ने भाग लिया।
- **मतदाता दिवस**- 25 जनवरी 2021 को सभी प्राध्यापकों और छात्रों के द्वारा मतदान दिवस मनाया गया।
- **ओरियेन्टेशन तथा रिफ्रेशर कार्स**- डा. अनिलकुमार साहित्य विभाग प्राध्यापक ने जे.एन.यू. नई दिल्ली से दिनांक 14-26फरवरी 2022 तक रिफ्रेशर कोर्स किया तथा इसी प्रकार से डा. शैलेन्द्रप्रसादउनियाल वेद विभाग प्राध्यापक ने जे.एन.यू. नई दिल्ली से 24 दिसम्बर 2021 से 27 जनवरी 2022 तक ओरियन्टेशनकोर्स किया।

4. परिसर द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशाला, व्याख्यान और अन्य गतिविधियां-

- **उत्तराखण्डविद्यावैभवम् त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला**- 13-15 जुलाई 2021 तक उत्तराखण्ड के विद्वानों के द्वारा साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, वेद, न्याय, अद्वैतवेदान्त के विषय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य सूत्रधार परिसर निदेशक प्रो.बनमाली बिश्वाल थे। इसके अन्तर्गत

प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित, प्रो.देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रो.जयातिवारी, प्रो.सुधारानी पाण्डेय जैसे विद्वान् एवं विदुषियों ने अपने गम्भीर विचार रखे।

- **उत्तराखण्डविद्यावैभवम् के अन्तर्गत कविसम्मेलन-** 15-07-2021 को इस कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डा. अनिल कुमार द्वारा किया गया था जिसमें उत्तराखण्ड के ही विद्वानों ने अपने मधुर काव्यपाठ से देवभूमेर्देवमाहात्म्यम् विषय को प्रस्तुत किया।
- **बौद्धसाहित्यसंसाधनकेन्द्र द्वारा अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी-** 22-07-2021 का परिसर के इस केन्द्र के द्वारा 'बौद्धसाहित्ये ब्रह्मविहारस्य अवधारणा तत्प्रासांगिकता च' विषय पर विशिष्ट विद्वानों द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। इस कार्यक्रम में प्रो. लेनगल श्रीलंका से तथा श्रीरविमेधंकर जापान से उपस्थित थ।
- **शिक्षकदिवस पर अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी-** 05-09-2021 पर दिल्ली से पद्मश्रीपुरस्कार से विभूषित प्रो.रमाकान्तशुक्ल जी ने विशिष्टव्याख्यान प्रदान किया।
- **तर्कामृतग्रन्थाधारित कार्यशाला-** 07-09-2021 से 13-09-2021 तक न्यायविभाग के द्वारा तर्कामृतग्रन्थविषयक कार्यशाला का आयोजन डा.सच्चिदानन्दस्नेही द्वारा किया गया जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से विद्वानों ने मूलग्रन्थ के साथ गम्भीर चिन्तन प्रस्तुत किया।
- **हिन्दी पखवाडे पर कविसम्मेलन-** डा.अनिल कुमार के संयोजकत्व तथा संचालकत्व में दिनांक 25-09-2021 को इस कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभन्न भागों से कवियों ने काव्यपाठ किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में प्रो.बनमालीबिश्वाल जी परिसर निदेशक विद्यमान थे।
- **गान्धी जयन्ती पर विशिष्टव्याख्यान-** 02-10-2021 का परिसरीय प्राध्यापकों द्वारा स्वच्छताकार्यक्रम के अनन्तर गान्धी जी के विषय में एक विशिष्टव्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें इतिहासविषय के प्राध्यापक डा. अरविन्द गौर ने गान्धीजी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा परिसर निदेशक प्रो.विजयपालशास्त्री ने उनके त्याग और अंहिसा का गुणगान करते हुए उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन इंगलिश के प्राध्यापक डा. अवधेशबिजल्वाण ने किया।
- **न्यायविभाग द्वारा न्यायप्रदीप्रन्थ पर कार्यशाला का आयोजन-** 11-11-2021 से 20-11-2021 तक डा.सच्चिदानन्द स्नेही के संयोजकत्व में देश के विभिन्न विद्वानों के द्वारा न्यायप्रदीपग्रन्थ को आधारित करके इस कार्यशाला में व्याख्यान दिये गये।
- **विश्वदर्शन दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यानमाला**-18-11-2021 से 30-11-2021 तक सभी भारतीय दर्शनों को आधारित कर आईसीपोआर तथा श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर के द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **दश दिवसीय सम्भाषण शिविर-** 13-11-2021 से 23-11-2021 तक डा.श्रीओमशर्मा और डा. शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल जी के संयोजकत्व में छात्रावास में छात्रों के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- **वेव्स तथा श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर के संयुक्त तत्वावधान में अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी-** 10-12-2021 से 12-12-2021 तक वैदिकपरिप्रेक्ष्य में स्वतन्त्रता और समानता की अवधारणा विषय में देश विदेश के विशिष्ट विद्वानों ने अपने शोधपूर्ण विचार प्रकट किये। परिसर निदेशक प्रो.बनमाली बिश्वाल तथा वेव्स संस्था की अध्यक्ष प्रो.शशि तिवारी जी के निर्देशन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **व्यवसायिक पौरोहित्य प्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजन-** 08-03-2022 से 28-03-2022 तक वेद विभाग तथा आन्तरिक आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 20 दिवस का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन वेद विभाग के अध्यक्ष डा.शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल तथा न्यायविभाग के अध्यक्ष डा. सच्चिदानन्दस्नेही जी के संयोजन में हुआ। जिसमें देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- **ज्योतिषविभाग द्वारा वास्तुशास्त्रविषयक राष्ट्रिय संगोष्ठी-** 05-03-2022 से 06-03-2022 तक वास्तुशास्त्र की साम्प्रतमुपयोगिता विषय को लेकर परिसर के ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डा. सुरेशशर्मा तथा डा.आशुतोषतिवारी के संयोजकत्व में आयोजन किया गया।
- **नवनिदेशक का आगमन-** केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय लखनऊपरिसर के शिक्षाविभाग से प्रो.एम. चन्द्रशेखर जी ने 14.06.2022 को प्रो.विजयपालशास्त्री जी के स्थान पर नव निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व भी माननीय नवनिदेशक अनेक परिसरों के निदेशक रह चुके हैं।
- **वार्षिकक्रीडाप्रतियोगिता**-22-5-2022 से 24-5-2022 तक वार्षिकक्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न छात्रों ने दौड, बैडमिन्टन, शतरंज, गोला फेंक, ऊचीकूद, लम्बीकूद प्रतियोगिताओं में छात्रों ने भाग लिया तथा पुरस्कार जीते। इस कार्यक्रम के संयोजक डा. गौतम चौधरी थे।
- **योगदिवसकार्यक्रम-** यह कार्यक्रम 11.06.2022 से 21.06.2020 तक आयोजित किया गया। जिसके समापन पर केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय के कुलपति महोदय प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी ने आकर छात्रों के साथ योगाभ्यास किया तथा छात्रां को प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम के मूल सूत्रधार प्रो. एम.चन्द्रशेखर ने पूरे कार्यक्रम को एक विस्तृत रूप दिया जिसमें छात्रों और प्राध्यापकों की समस्याओं को माननीय कुलपति के सामने उन्होनें रखा। यह कार्यक्रम पूरे भारत में आनलाइन माध्यम से प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम संयोजक डा. गौतम चौधरी थे। कुलपति जी ने भवन का निरीक्षण किया तथा शीघ्र ही इसके समर्पण की बात भवननिर्माण अधिकारियों के सामने रखी।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।